'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 5th Semester Examination, 2021

GE1-P1-PHILOSOPHY

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

SECTION-I / বিভাগ-ক / খণ্ড-ক

1. Answer any ***four*** questions from the following: 3×4 = 12
নিম্নলিখিত যে-কোন ***চারটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ
কুনৈ চার প্রশ্নকো উত্তর দিনুহোস্

(a) What is the meaning of 'Darśana'?
দর্শন শব্দটির অর্থ কি ?
'दर्शनको' अर्थ के हो ?

(b) Why is the Cārvāka philosophy called hedonists?
চার্বাক দার্শনিকদের সুখবাদী বলা হয় কেন ?
चार्वाक दर्शनलाई सुखवाद कि भनिन्छ ?

(c) Define Samavāya according to the Vaiśeṣikas.
বৈশেষিক মত অনুসারে সমবায়ের ব্যাখ্যা কর।
वैशेषिक दर्शनको समवायलाई परिभाषित गर्नुहोस्।

(d) Explain Loukika Pratyaksha and its different kinds.
লৌকিক প্রত্যক্ষ এবং এর বিভিন্ন প্রকারগুলি উল্লেখ কর।
लौकिक प्रत्यक्ष र यसका विभिन्न प्रकार हरूका व्याख्या गर्नुहोस्।

(e) What is Cittavritti? Mention various states of Cittavritti according to Yoga philosophy.
চিত্তবৃত্তি কাকে বলে ? যোগদর্শন অনুসারে বিভিন্ন প্রকার চিত্তবৃত্তির নামগুলি উল্লেখ কর।
चित्तवृत्ति के हो ? योग दर्शन अनुसार चित्तवृत्तिको विभिन्न चरणहरू उल्लेख गर्नुहोस्।

(f) Write the names of five kinds of Karma according to Vaiśeṣika.
বৈশেষিক সম্মত পাঁচপ্রকার 'কর্ম' উল্লেখ কর।
वैशेषिक दर्शनको अनुसार पाँच प्रकारका कर्महरूको नाम लेख्नुहोस्।

SECTION-II/বিভাগ-খ/খণ্ড-খ

2. Answer any ***four*** questions from the following: 6×4 = 24
নিম্নলিখিত যে-কোন ***চারটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ
কুনৈ চার প্রশ্নকো উত্তর দিনুহোস্

(a) Do you think that Indian philosophy pessimistic? Discuss.
তুমি কি মনে কর ভারতীয় দর্শন দুঃখবাদী ? তোমার মতের সপক্ষে যুক্তি দাও।
के तपाई भारतीय दर्शनलाई निराशावादी ठान्नुहुन्छ। चर्चा गर्नुहोस्।

(b) Write a short note on 'Second Noble Truth' according to Buddhism.
বৌদ্ধ দর্শন অনুসারে 'দ্বিতীয় আর্যসত্য'র উপর একটি সংক্ষিপ্ত টীকা লেখ।
बौध दर्शनको 'द्वितीय आर्य-सत्य' माथि छोटो टिप्पणी लेख्नुहोस्।

(c) Explain the nature of three gunas (constituents) of 'Prakriti'.
প্রকৃতির তিনটি উপাদান (গুণ) এর স্বরূপ সম্পর্কে আলোচনা কর।
संख्या दर्शनको प्रकृतिका तीन गुणको व्याख्या गर्नुहोस्।

(d) Explain Nyāya definition of Pratyaksha. Distinguish between Nirvikalpaka and Savikalpaka Pratyaksha.
ন্যায়মতে প্রত্যক্ষের সংজ্ঞা দাও। নির্বিকল্পক ও সবিকল্পক প্রত্যক্ষের মধ্যে পার্থক্য কর।
न्याय दर्शनमा प्रत्यक्षको परिभाषा बारे व्याख्या गर्नुहोस्। निर्विकल्प र सविकल्प प्रत्यक्ष माँझ भेद गर्नुहोस्।

(e) Distinguish between Samavāya and Saṃyoga in Vaiśeṣika philosophy.
বৈশেষিক মত অনুসারে সমবায় ও সংযোগের মধ্যে পার্থক্য দেখাও।
वैशेषिक दर्शनको समवाय र संयोग बीच भेद गर्नुहोस्।

(f) Write a short note on eight fold means of Yoga (Astanga Yoga).
যোগদর্শন মতে অষ্টযোগাঙ্গের সংক্ষিপ্ত বিবরণ দাও।
योग दर्शनको अष्टांग साधन माथि छोटो टिप्पणी लेख्नुहोस्।

SECTION-III/বিভাগ-গ/खण्ड-ग

3. Answer any ***two*** questions from the following: 12×2 = 24
নিম্নলিখিত যে-কোন ***দুটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ
कुनै दुई प्रश्नको उत्तर दिनुहोस्

(a) What are the proofs for the existence of Puruṣa according to Sāṁkhya? Is Puruṣa one or many?
সাংখ্য মতে পুরুষের অস্তিত্বের সপক্ষে যুক্তি দাও। পুরুষ এক না বহু – আলোচনা কর।
संख्या दर्शन अनुसार पुरूषको अस्तित्वको लागी प्रमाणहरू के हो ? पुरूष एक वा धेरै हो?

(b) What is Vyāpti? How, according to Nyāya, Vyāpti can be established? Discuss.
ন্যায়মতে ব্যাপ্তি কাকে বলে ? ব্যাপ্তি কিভাবে প্রতিষ্ঠা করা যায় ? আলোচনা কর।
व्याप्ति के हो ? न्याय दर्शन अनुसार व्याप्तिलाई स्थापित कसरी गरिन्छ ? चर्चा गर्नुहोस्।

(c) What is Alaukika (Extraordinary) Pratyaksha according to Nyāya? Explain with examples the different types of Alaukika Pratyaksha.
ন্যায়মতে অলৌকিক প্রত্যক্ষ কাকে বলে ? উদাহরণ সহযোগে বিভিন্ন প্রকার অলৌকিক প্রত্যক্ষ ব্যাখ্যা কর।
न्याय दर्शन अनुसार अलौकिक प्रत्यक्ष के हो ? अलौकिक प्रत्यक्षको विभिन्न प्रकारका उदाहरण सहित व्याख्या गर्नुहोस्।

(d) What is called Abhāva? How Abhāva can be known according to Vaiśeṣika? Explain different types of Abhāva.
অভাব কাকে বলে ? বৈশেষিক মতে অভাব কিভাবে জানা যায় ? বিভিন্ন প্রকার অভাবগুলি ব্যাখ্যা কর।
अभाव कसलाई भनिन्छ ? वैशेषिक दर्शनको अनुसार अभाव कसरी जान्न सकिन्छ ? विभिन्न प्रकारको अभाव व्याख्या गर्नुहोस्।

——×——